ARUNACHAL PRADESH LITERARY SOCIETY (APLS)
ITANAGAR

CITATION

To,

Shri Taro Sindik
Assistant Professor,
Donyi Polo Govt. College,
Kamki, Arunachal Pradesh

We the people of Arunachal Pradesh in general and member fraternity of Arunachal Pradesh Literary Society in particular feel great pride in you for bringing great laurel to the state by winning the prestigious national award namely *Sahitya Akademi Yuva Puraskar* for Hindi language by your book of poem *Akshero Ki Vinti* for 2017. With you a young talented and generous poet has born and place our hope on you that you would continue to write and contribute greatly in enriching the Indian Literature through your poems and writing in other genres in Hindi language.

On this occasion of the 11th Foundation Anniversary Celebration, the Arunachal Pradesh Literary Society is privileged to felicitate you.

Dated on this day of 6th December, 2017

6/12/17

Batem Pertin
General Secretary

6/12/17

Yeshe Dorjee Thongchi
President

Scanned by CamScanner

डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

स्पीड–पोस्ट

साहित्य अकादेमी
(नेशनल अकादमी ऑफ़ लेटर्स)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

सा.अ./61/17/यु.पु./11613

22 जून, 2017
24

साहित्य अकादेमी युवा पुरस्कार 2017

प्रिय श्री तारो सिदिक,

मुझे आपको यह बताते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि साहित्य अकादेमी की कार्यकारी मंडल के अध्यक्ष डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी की अध्यक्षता में गुवाहाटी में आयोजित बैठक में आपकी पुस्तक ***अक्षरों की विनती*** **(हिंदी)** युवा पुरस्कार 2017 के लिए चुनी गई है। इसके लिए आपको हार्दिक बधाई।

मेरा आपसे अनुरोध है कि कृपया आप शीघ्र ही अपनी दो नवीनतम फोटो तथा संलग्न प्रपत्र में प्रचार–प्रसार एवं प्रशस्ति–पत्र तैयार करने हेतु अपना विस्तृत जीवन–वृत्त भिजवाएँ।

पुरस्कार स्वरूप आपको एक उत्कीर्ण ताम्रफलक और 50,000/– रुपये की राशि का चेक एक विशेष समारोह में प्रदान किये जाएँगे।

शुभकामनाओं सहित,

आपका,

(के. श्रीनिवासराव)

संलग्न : उपर्युक्त

श्री तारो सिदिक

Scanned by CamScanner